सेफ क्लिक–2026 : साइबर सुरक्षा मैराथन आयोजित

200 प्रतिभागियों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्य स्तरीय साइबर सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान सैफ क्लिक-2026 2.0 के अंतर्गत अभियान के दिवस-14 साइबर सुरक्षा मैराथन के अवसर पर आज 07 जुलाई को पुलिस लाइन परिसर, पन्ना से भव्य साइबर सुरक्षा मैराथन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को जन-जन तक पहुंचाना था। मैराथन को पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जागरूकता और सतर्कता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करें। मैराथन का निर्धारित मार्ग पुलिस लाइन परिसर बीटीआई चौराहा गुलायची मोहल्ला बस स्टैंड बेनीसागर चौराहा हॉस्पिटल चौक होते हुए पुनः पुलिस लाइन परिसर तक रहा। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने साइबर सुरक्षा से संबंधित संदेशों एवं नारों के माध्यम से नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फ्रॉड, निवेश संबंधी धोखाधड़ी तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक किया। साइबर सुरक्षा रन में लगभग 200 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मैराथन में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, युवा, विद्यार्थी तथा नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी ने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने, किसी भी परिस्थिति में अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करने, संदिग्ध कॉल, लिंक एवं संदेशों से सावधान रहने तथा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना चौहान, रक्षित निरीक्षक खिलावन सिंह कँवर, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा, यातायात प्रभारी नीलम लखचर सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। कलेक्टर ऊषा परमार द्वारा मंगलवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अतिवर्षा के कारण जिला चिकित्सालय के वार्डों में जलभराव की स्थिति निर्मित होने की सूचना प्राप्त होने पर कलेक्टर ने त्वरित संज्ञान लिया और मौके पर पहुँचकर स्थिति का मुआयना किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती परमार ने चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन नवीन भवन का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी और अधिकारियों को निर्देशित किया कि भवन निर्माण कार्य में गति लाएं ताकि आमजन को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। वार्डों में पानी भरने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि चिकित्सालय परिसर में जलभराव की समस्या के त्वरित निराकरण हेतु जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे भविष्य में मरीजों और परिजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कलेक्टर द्वारा चिकित्सालय परिसर में संचालित विभिन्न दुकानों का भी निरीक्षण किया गया। परिसर में सुव्यवस्थित यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उन्होंने समस्त दुकान मालिकों को सख्त हिदायत दी कि वे अपनी दुकानें निर्धारित रैलिंग के भीतर ही स्थापित करें। रैलिंग के बाहर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी, एसडीएम संजय नागवंशी सहित सिविल सर्जन डॉ. आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में आए 24 आवेदन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 24 आम लोगों की समस्याओं को सुनकर निराकरण किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ऊषा परमार, अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर निराकृत कीं।

शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में आज जनसुनवाई हुई। प्रकाशन करें।

आकाशीय बिजली से बचें, रहें सतर्क : डॉ . तिवारी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। कलेक्टर पन्ना श्रीमति उषा परमार के निर्देशन में मुख्य चिकित्साक एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर पी तिवारी द्वारा आकाशीय बिजली/वज्रपात प्राकृतिक आपदाओं से बचाव हेतु सलाह जारी की गयी है।

उन्होने बताया कि खेतों एवं औद्योगिक स्थांनों, निर्माण वाले स्थांनो में काम करने वाले लोग इससे अधिक प्रभावित होते हैं आकाशीय बिजली/वज्रपात की घटनायें जून-जुलाई में सर्वाधिक होती है। विशेष रूप से ऊँचे नुकीले संरचना एवं पेडों पर वजप्रात हो सकता है। दोपहर एवं सायंकाल के मध्य ऐसी घटनाये सर्वाधिक देखी गयी हैं। यह आवश्यक नही कि बारिश के दौरान ही वज्रपात हो तूफान आने के पहले या बाद में भी ऐसी घटना हो सकती है।

घर के अंदर सुरक्षात्मतक उपाय– बिजली एवं उपकरणों के संपर्क में नही रहें और इनका पावर प्लग निकाल दें। इलेक्ट्रिकल आउटलेट से जुडी किसी भी चीज का उपयोग न करें, खिडकियां दरवाजे बंद रखे, कंक्रीट के फर्श पर न लेटे, खाली पैर जमीन या फर्श पर खडे ना रहें। स्नान बर्तन धोना या पानी के साथ कोई अन्य संपर्क ना करें क्योकि बिजली इमारत की पाइपलाइन से यात्रा कर सकती है। गरज के दौरान कॉर्डलेस फोन का उपयोग ना करें।

घर के बाहर सुरक्षात्मक उपाय

बिजली का संचालन करने वाली सामग्री य सतहों को न छुयें लंबी संरचनाओं एवं बडें उपकरण जैसे बिजली के खंभे, पेड, छत, बुलडोजर, ट्रेक्टर से दूर रहें, दोपहिया वाहन से दूर रहें, तालाब नदी के किनारे नाव आदि स्थानों मे ना रहें, विस्फोट के क्षेत्र से दूर रहें, बारिश होने पर या बिजली चमकने के समय पेड के नीचे आश्रय न लें। यदि बिजली चमकने के 10 सेकेण्ड के बाद गर्जन सुनायी देती है तो इसका मतलब कि वो आपसे 3 किलोमीटर दूर है अत: तुरंत ही सुरक्षित आश्रय ढूढें यदि लोगों के समूह में हो तो अलग-अलग खडे हो जाये। एवं गर्जन सुनाई देने के पश्चात् न्यूोनतम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें। समस्तस आम नागरिक एवं क्षेत्रीय कर्मचारी अपने मोबाइल पर दामिनी ऐप को डाउनलोड करलें ताकि आकाशीय बिजली/ वज्रपात की चेतावनी प्राप्त हो सके।

कफ सिरप के अवैध भंडारण एवं क्रय-विक्रय पर बड़ी कार्रवाई

दो औषधि प्रतिष्ठान सीलबंद

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देश तथा कलेक्टर पन्ना के मार्गदर्शन में वरिष्ठ कार्यालय, भोपाल द्वारा गठित विशेष जांच दल ने जिले में आपूर्ति किए गए कफसिरप की जांच के संबंध में दिनांक 03 से 05 जुलाई तक सघन निरीक्षण दल द्वारा जांच कार्रवाई संपादित की। जांच दल द्वारा ग्राम कटन, तहसील गुन्नौर स्थित मेसर्स बागरी ड्रग एजेंसी का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फर्म द्वारा विगत एक माह में क्रय की गई लगभग 45,000 बोतल कफ सिरप के विक्रय संबंधी अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके अतिरिक्त, निरीक्षण में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमावली, 1945 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन भी पाया गया। प्राप्त अनियमितताओं के आधार पर नियमानुसार उक्त औषधि प्रतिष्ठान को सीलबंद कर दिया गया। इसी क्रम में देवेंद्रनगर, जिला पन्ना स्थित मेसर्स देवनाथ फार्मा का निरीक्षण किया गया। साथ ही संबंधित फर्म अनाधिकृत स्थान पर संचालित पाई गई। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि फर्म द्वारा विगत दो माह में लगभग 89,000 बोतल कफसिरप की खरीद की गई थी। जांच दल द्वारा फर्म से संबंधित अभिलेखों की जांच एवं अन्य औषधियों की जब्ती संबंधी कार्रवाई की गई। जांच दल पुनः संबंधित स्थल पर पहुंचा, तब तक मकान मालिक एवं दुकान संचालक मुख्य द्वार पर ताला लगाकर परिवार सहित अनुपस्थित पाए गए। नियमानुसार संबंधित परिसर को सीलबंद कर दिया गया तथा प्रकरण में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

सर्पदंश से बचाव एवं उपचार के संबंध में सीएमएचओ ने एडवाइजरी जारी की

कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ . आरपी तिवारी ने सर्पदंश के बचाव व उपचार के संबंध में दी जानकारी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। कलेक्टर पन्ना श्रीमति उषा परमार के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर पी तिवारी ने सर्पदंश के बचाव व उपचार संबंधी एडवाइजरी जारी की है उन्होने बताया की बरसात के मौसम में सांपों के प्राकृतिक निवास में पानी भर जाने के कारण सर्प मानव बस्तियों के नजदीक आ जाते है एवं सर्पदंश की घटनाओ में वृद्धि होती है। संपदर्श नियंत्रण हेतु निम्न निरोधी उपायो का पालन करना चाहिए ।

स्लीमपिंग बैग, जूते और कपडो को उपयोग करने से पहले उन्हे हिलाए जिससे उनमें छिपे सांप या अन्य कोई जीव जंतु बाहर निकल जाएं। रात में टहलते समय, जलावन की लकडियॉ इकट्ठा करते समय टॉर्च या रोशनी का उपयोग करे। घर या दुकान के आसपास किसी भी तरीके का कबाड इकट्ठा न होने दें साथ ही इन स्थानों पर छोटे-छोटे गड्ढे और दरारों को बंद कर दें।

सर्पदंश के लक्षण– सांप के डंसने या काटने से अलग-अलग लक्षण दिखाई देते हैं जैसे काटने वाली जगह पर दर्द एवं सूजन, एलर्जी, घाव से खून बहना, लो बीपी, अंगो के आसपास के हिस्सेग का सुन्नप पडना, अति जहरीले सांप के काटने पर पीडित को आंखें खोलने तथा बोलने में कठिनाई, पेशाब में खून आना, काटे गए अंग तथा खून के काले पडने की भी संभावना रहती हैं। सर्पदंश के बाद क्या न करें- स्वंय से किसी भी प्रकार की दवाई मरीज को ना दें साथ ही पीडित व्यीक्ति के सर्पदंश वाले भाग पर किसी भी प्रकार का मलहम न लगाएं एवं सपेरे अथवा तांत्रिक से किसी भी प्रकार का परामर्श न लें। अल्कोहल एवं कैफीन का सेवन न करें, क्योकि यह विष के प्रभाव को बढा सकता है। सर्पदंश स्थल को काटने या चूसने की कोशिश न करें यह विष को हटाने में मदद नहीं करता और संक्रमण का जोखिम बढा सकता है।

सर्पदंश के बाद क्या करें

सांप काटने पर शांत रहें और घबराए नहीं घबराने से हृदय गति बढ जाती है जिससे विष का फैलाव तेजी से हो सकता है। सर्पदंश स्थल को साफ और खुला रखें ताकि उसमें हवा लग सके साथ ही ढीली पट्टी बांध सकते हैं लेकिन रक्त प्रवाह को बंद ना करें। सर्पदंश से पीडित व्यक्ति को त्वरित रूप से उपचार हेतु बिना समय गंवाए नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य् केन्द्र या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार हेतु लेकर जाएं।

अजय गुप्ता होंगे डाइट प्राचार्य

पन्ना, 7 जुलाई। जिला पंचायत कार्यालय द्वारा वरिष्ठता के आधार पर अजय कुमार गुप्ता को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पन्ना का प्राचार्य नियुक्त करने संबंधी आदेश जारी किया गया है। शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवस्था के सुचारू क्रियान्वयन की दृष्टि से डाईट के वरिष्ठ व्याख्याता अजय कुमार गुप्ता को तत्काल प्रभाव से प्राचार्य का प्रभार सौंपा गया है।

मिले पुराने दुर्लभ ग्रंथ,सौ पीढ़ियों की वंशावली आज भी सहेजे हैं

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के द्वारा संचालित ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत भारत की हस्तलिखित विरासत का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण, डिजिटलीकरण किया जा रहा है ।जो फ्लैगशिप मिशन है ।

संस्कृति विभाग द्वारा पूरे मध्य प्रदेश में प्रत्येक जिले में ज्ञान भारतम हेतु हस्तलिखित पांडुलिपियों का सर्वे हेतु अभियान चलाया गया । समिति के सदस्य धर्मार्थ शाखा प्रभारी मनोज पाण्डेय और अमानगंज तहसीलदार श्रीमती ममता मिश्रा , सहायक नाजिर अजीत सिंह द्वारा हृदेश चतुर्वेदी के निजी संग्रह का अवलोकन किया गया ।

इस संग्रह में देवदत्त चौबे द्वारा हस्तलिखित ग्रन्थों की प्राचीन पांडुलिपियों प्राप्त हुई है, जिसमें हरवंश पुराण, शिवपुराण, श्रीमद भागवत पुराण, पुरुषोत्तम मास महत्व, कार्तिक मास महत्व आदि । इसके अतिरिक्त चतुर्वेदी परिवार स्वयं की पिछली 100 पीढ़ियों की वंशावली भी न केवल सुरक्षित है, बल्कि उसे अद्यतन भी किया है।

अजयगढ़-पन्ना रोड में जानलेवा गड्ढों के चलते दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। पन्ना - अजयगढ़ रोड एवं घाटी क्षतिग्रस्त हो गई है। घाट में कई जगह घुमावदार मोड़ों पर बडे बडे गड्ढे हो जाने से वाहनों के पलटने का खतरा बढा गया है। ऐसी स्थिति में घाटी में सफर करना खतरे से खाली नहीं लग रहा है। मालूम हो कि पन्ना से अजयगढ़ के साथ साथ उत्तरप्रदेश जानेके लिये मात्र सुरक्षित रास्ता पन्ना अजयगढ़ घाटी से होकर जाता है। जिसमें प्रतिदिन सैंकड़ों की संख्या में वाहन दिन रात निकलते हैं।

इस मार्ग से पन्ना से उत्तरप्रदेश के जिले बांदा व कानपुर की दूर भी ज्यादा नहीं होती इसीलिए व्यावसायिक प्रयोजन के लिये उचित माने जाने वाली यह सड़क इस समय खतरों से भरी हुई है। इस सडक मे बने हुये घुमावदार मोड़ों पर तीन तीन फिट चौड़े व एक से डेढ़ फिट गहरे खतरनाक गड्ढे हो गये है जोकि हादसे को निमंत्रण देते है। सबसे ज्यादा परेशानी लोडेड ट्रकों को आती है जोकि घाटी चढ़ते समय बडे ही संतुलन बनाकर चलते हैं और अचानक मोड पर गड्ढा आ जाने पर इन्हें गाड़ी खड़ी करनी पडती है जिसके चलते उनकी गाड़ी घाटी में लोड नहीं ले पाती और पीछे की ओर जाने लगती है कईबार देखा गया है कि ट्रक मे सवार क्लीनर दौड़कर जाकर पीछे के टायरों में पत्थर लगाते हैं जिससे वाहन पीछे को न चली जाये और गाड़ी निकलने के बाद वही पत्थर सड़क पर पडे रहते हैं जिससे भी कई हादसे होते रहते हैं।

गड्ढों की वजह से पूर्व में भी हो चुके हैं हादसे

जर्जर सड़क फिर घाटी की मोड पर खतरनाक बडे बडे गड्ढे होना भी इन हादसों को और अधिक बढ़ा देता है इन गड्ढों की वजह से पूर्व में कई घटनायें घटी हैं। जिसमें कुछ लोग घायल भी हुये हैं निकलने वाले बाईक सवारों का कहना है कि यह गड्ढे जानलेवा गड्ढे बनते जा रहे है और दिन प्रतिदिन इनकी गहराई और चौड़ाई बढती जा रही है और अक्सर इन्हीं गड्ढों की वजह से बाईक सवार भी दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं क्योंकि बारिश के समय मे इन गड्ढों मे पानी भर जाता है और बाईक चालकों को यह समझ में नहीं आता कि यहां पर इतना बडा गड्ढों होगा और वह सीधे गड्ढे में जा गिरते हैं और चोटिल हो जाते हैं।

विधायक से की वन भूमि के पट्टों की मांग

नवभारत न्यूज

सलेहा, 7 जुलाई। सलेहा में आयोजित जनसंपर्क के दौरान स्थानीय नागरिकों ने गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा को वनभूमि से संबंधित विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने भूमि संबंधी प्रकरणों, सीमांकन, पट्टों एवं अन्य वन विभाग से जुड़े मामलों के निराकरण में आ रही कठिनाइयों को विस्तार से रखा।

विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर शीघ्र एवं पारदर्शी तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन की योजनाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं।

नालियां चोक होने से घरों एवं दुकानों में भरा बारिश का पानी, नगरपालिका को कोसते रहे नगरवासी

एक घण्टे की बारिश ने मचाई तबाही,दुकानों एवं घरों की सामग्री में भरा पानी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 7 जुलाई। आज लगभग एक घण्टे की घनघोर वारिश ने तबाही मचा दी बस्तियों एवं मुख्य बड़ा बाजार सहित कुछ मोहल्लो की दुकानों एवं घरों में पानी भर गया जिससे भारी नुकसान हुआ है। वर्षा पूर्व जो तैयारियां होनी चाहिए थी वह नही होने एवं गंदगी सेपटी नाले एवं नालियों की वजह से पूरा पानी सड़कों से सीधे घरों एवं दुकानों में भर गया। शहर की चरमराई सफाई व्यवस्था की पोल खुलकर सामने आ गई।

प्रमुख सड़कों पर गंदगी, कीचड़ और नालियों का पानी बहता नजर आया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। निवासियों ने आरोप लगाया, नगर पालिका की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश के दौरान गंदगी और कचरा सड़कों पर फैल गया है। कुछ दुकानदारों ने बताया कि हर बार बारिश के बाद ऐसी ही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए । नगर के कई वार्डों, स्कूलों, जिला अस्पताल के आसपास और प्रमुख सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों का आरोप है कि वर्षों से जल निकासी की समस्या बनी हुई है, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया।

बिना चुनाव के धनबल एवं राजनैतिक आकाओं की दम पर बनी मुखिया हुई समस्याओं से बेवास्ता– बिना कोइ चुनाव लड़े मात्र धनबल एवं राजनैतिक आकाओं के आशीर्वाद से नगरप्रशासन का मुखिया बनना नगरवासियों के लिए घातक सिद्ध हो रहा है जहां भ्रष्टाचार एवं कमीशन के बगैर कोई कार्य नही होता वही नगरपालिका द्वारा जनता को मूलभूत सुविधाएं भी नही मिल पा रहीं है । कोई विरोध भी करे कोई सुनने वाला नही है । बारिश के बाद उत्पन्न हालात को लेकर नगर पालिका और जिला प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था और संवेदनशील क्षेत्रों की तैयारी की गई होती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। लोगों का आरोप है कि नगर पालिका के अधिकारी,जनप्रतिनिधि और कर्मचारी जमीनी स्तर पर सक्रिय दिखाई नहीं दिए, जबकि कई वार्डों में घंटों तक पानी भरा रहा। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल निकासी की स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, नियमित रूप से नालों की सफाई कराई जाए और मानसून के दौरान आपातकालीन व्यवस्था को मजबूत किया जाए।

स्कूल, अस्पताल और वार्डों में भरा पानी

बारिश के बाद पन्ना नगर के कई इलाकों में पानी भर जाने से सामान्य जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। जिला अस्पताल परिसर और उसके आसपास जलभराव होने से मरीजों एवं उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं कई स्कूलों के आसपास भी पानी जमा हो गया, जिससे विद्यार्थियों और अभिभावकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। नगर के अधिकांश वार्डों में सड़कें तालाब जैसी नजर आईं और नालियों का पानी सड़कों पर बहता दिखाई दिया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान यही हालात बनते हैं।